कहा जाता है नारी का जीवन तभी पूर्ण होता है, जब वो माँ बनती है । मैं भी इस सपने के लिए आठ साल से तरस रही थी और पूरी तरह निराश हो चुकी थी क्योंकि मुझे ओवरी सिस्ट था ओर मेरा यूट्रस भी बाई कार्नेट था, जिसकी चार बार सर्जरी हो चुकी थी और मेरा दो बार गर्भपात भी हो चुका था । लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी मैं मातृत्व सुख से वंचित थी साथ ही मुझे थायराइड, मोटापा ओर मानसिक तनाव जैसी बीमारियों ने घेर लिया था ।

अचानक एक दिन मेरी सहेली हेतल शाह ने मुझे बंसल मैडम के बारे में बताया कि किस तरह बंसल मेडम ने कई दम्पत्तियों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें खुशियाँ प्रदान की है । मैं भी मैडम से मिलने अपने पति के साथ आरोग्य हॉस्पिटल गई । उन्हें अपनी राम कहानी सुनाई । उन्होने मेरा treatment स्टार्ट किया , जिसमे पाया मुझे utrain टी बी है किन्तु वो बहुत ही पॉज़िटिव थी,

मेरा छ: माह ईलाज चला उसके बाद ईश्वर की कृपा और मेडम के अथक प्रयास से मुझे आशा की वो किरण मिली, जिसका में बरसों से इन्तजार कर रही थी। आज मेरा दामन खुशियों से भर गया है, मुझे एक बेटा है । ये सब बंसल मैंडम ओर उनकी टीम के कारण ही संभव हो सका है। मैडम के साथ साथ उनका स्टाफ भी बहुत पॉजिटिव और सपोर्टिंग है । मैं उनकी जितनी भी तारीफ़ करूं वो कम है । बस यही कहना चाहूंगी कि मेरा बेटा मैडम की देन है इसलिए मेडम ही मेरे बच्चे की देवकी मां है और मैं यशोदा ।